chapter-5

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.:
DATE: / /

दबाव-समूह और आंदोलन राजनीति को किस ~~प्रकार~~ तरह प्रभावित करते हैं?

Ans— दबाव-समूह और आंदोलन राजनीति को प्रभावित करते हैं—

(i) दबाव समूह और आंदोलन अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते हैं।

(ii) ऐसे समूह अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुँचाने जैसे उपायों का सहारा लेते हैं।

(iii) कुछ मामलों में दबाव-समूह राजनीतिक दलों द्वारा ही बनाए गए होते हैं अथवा उसका नेतृत्व राजनीतिक दल के नेता करते हैं।

दबाव समूहों और राजनीतिक दलों के आपसी संबंधों का स्वरूप कैसा होता है? वर्णन करें।

Ans—

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

Ans— सामान्यतया दबाव समूहों और राजनीतिक दलों के बीच कोई प्रत्यक्ष रिश्ता नहीं होता है। वे अक्सर एक दूसरे के विपरीत मान्यता रखते हैं। लेकिन दोनों के बीच संवाद और मोलभाव चलता रहता है। राजनीतिक दलों के कई नए नेता दबाव समूहों से आते हैं।

दबाव समूहों की गतिविधियाँ लोकतांत्रिक सरकार के कामकाज में कैसे उपयोगी होती है?

Ans— दबाव समूहों की गतिविधियाँ लोकतांत्रिक सरकार के कामकाज में निम्न प्रकार से उपयोगी साबित होती हैं—

(i) आम नागरिकों की जरूरतों से सरकार को अवगत कराते हैं—
ये दबाव समूह शासकों के ऊपर दबाव डालकर लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकारें धनी और ताकतवर लोगों के अनुचित दबाव में आ जाती है। जनसाधारण के हित-समूह इस अनुचित दबाव के प्रतिकार में उपयोगी भूमिका निभाते हैं और आम नागरिकों की जरूरतों और समस्याओं से सरकार को अवगत कराते हैं।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

(ii) सरकार की निरंकुशता पर रोक लगाते हैं—

सरकार पर यदि कोई एक समूह अपने हित में नीति बनाने के लिए दबाव डालता है तो दूसरा समूह उसके प्रतिकार में दबाव डालेगा कि नीतियाँ उस तरह से न बनाई जाएँ। इससे सरकार निरंकुश नही हो पाती है। और सरकार को पता चल जाता है कि समाज क्या चाहता है।

दबाव-समूह क्या है ? कुछ उदाहरण बताइए।

Ans — ऐसे संगठन जो सरकार की नीतियों को प्रभावित करते हैं उन्हे दबाव समूह कहते है।
एक दबाव समूह किसी राजनीतिक दल से भिन्न होता है। क्योंकि यह जनता के लिए जवाबदेह नहीं होता है। दबाव समूह की शासन में कोई भागीदारी नही होती है।
मजदूर संगठन, वकीलों का संगठन आदि दबाव समूह के उदाहरण हैं।

दबाव-समूह और राजनीतिक दल में अंतर है ?

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

दबाव - समूह ⇒

(i) ये सरकार में प्रत्यक्ष भागीदार नहीं होते हैं।
(ii) इनका संगठन ढीला-ढाला होता है।
(iii) इनका प्रभाव सीमित होता है।
(iv) दबाव समूहों को जनता के समर्थन की आवश्यकता नहीं होती है।

राजनीतिक दल ⇒

(i) ये सरकार में प्रत्यक्ष भागीदार होते हैं।
(ii) ये पूरी तरह संगठित होते है।
(iii) इनका विस्तार क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर होता है।
(iv) राजनीतिक दलों को चुनाव के समय जनता का सामना करना पड़ता है।

जो संगठन विशिष्ट सामाजिक वर्ग जैसे- मजदूर, कर्मचारी, शिक्षक और वकील आदि के हितों को बढ़ावा देने की गतिविधियाँ चलाते हैं उन्हें ______ कहा जाता है।

Ans— वर्ग विशेष के हित समूह

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

निम्नलिखित में से किस कथन से स्पष्ट होता है कि दबाव-समूह और राजनीतिक दल में अंतर होता है—

Ans (ग) दबाव-समूह सत्ता में नहीं आना चाहते जबकि राजनीतिक दल सत्ता हासिल करना चाहते हैं।

सूची-I (संगठन और संघर्ष) का मिलान सूची-II से कीजिए और सूचियों के नीचे दी गई सारणी से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I ⇒

(i) किसी विशेष तबके या समूह के हितों को बढ़ावा देने वाले संगठन।
(ii) जन-सामान्य के हितों को बढ़ावा देने वाले संगठन
(iii) किसी सामाजिक समस्या के समाधान के लिए चलाया गया एक ऐसा संघर्ष जिसमें संगठनिक संरचना हो भी सकती है और नहीं भी।
(iv) ऐसा संगठन जो राजनीतिक सत्ता पाने की गरज से लोगों को लामबंद करता है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

सूची - II ⇒

(क) आंदोलन
(ख) राजनीतिक दल
(ग) वर्ग - विशेष के हित समूह
(घ) लोक कल्याणकारी हित समूह

Ans—

1 → ग
2 → घ
3 → क
4 → ख

(ख) ग, घ, क, ख

सूची I का सूची II से मिलान करें सूचीयों के नीचे दी गई सारणी में जो सही उत्तर हो चुनें —

सूची I ⇒

(i) दबाव समूह
(ii) लंबी अवधि का आंदोलन
(iii) एक मुद्दे पर आधारित आंदोलन
(iv) राजनीतिक दल

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

सूची - II के
(क) नर्मदा बचाओ आंदोलन
(ख) असम गण परिषद
(ग) महिला आंदोलन
(घ) खाद विक्रेताओं का संघ

Ans — 1 → घ
2 → ग
3 → क
5 → ख

(अ) घ, ग, क, ख

दबाव - समूहों और राजनीतिक दलों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए —

(क) दबाव समूह समाज के किसी खास तबके के हितों की संगठित अभिव्यक्ति होते हैं।

(ख) दबाव समूह राजनीतिक मुद्दों पर कोई न कोई पक्ष लेते हैं।

(ग) सभी दबाव - समूह राजनीतिक दल होते हैं।

अब नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें —

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(अ) क, ख और ग
(ब) क और ख
(ग) ख और ग
(घ) क और ग

Ans — (ब) क और ख

मेवात हरियाणा का सबसे पिछड़ा इलाका है। यह गुड़गाँव और फरीदाबाद जिले का हिस्सा हुआ करता था। मेवात के लोगों को लगा कि इस इलाके को अगर अलग जिला बना दिया जाये तो इस इलाके पर ज्यादा ध्यान जाएगा। लेकिन, राजनीतिक दल इस बात में कोई रुचि नहीं ले रहे थे। सन् 1996 में मेवात के एजुकेशन एंड सोशल ऑर्गेनाइजेशन तथा मेवात साक्षरता समिति ने अलग जिला बनाने की माँग उठाई। बाद में सन् 2000 में मेवात विलास सभा की स्थापना हुई। इसने एक के बाद एक कई जन-जागरण अभियान चलाए। इससे बाध्य होकर बड़े दलों यानी कांग्रेस और इंडियन नेशनल लोकदल को इस मुद्दे को अपना समर्थन देना पड़ा।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

इन्होंने फरवरी 2005 में होने वाले विधान सभा के चुनाव से पहले ही कह दिया कि नया जिला बना दिया जाएगा। नया जिला सन् 2005 की जुलाई में बना।

इस उदाहरण में आपको आंदोलन, राजनीतिक दल और सरकार के बीच क्या रिश्ता नजर आता है? क्या आप कोई ऐसा उदाहरण दे सकते हैं जो इससे अलग रिश्ता बताता हो?

Ans — इस उदाहरण में आंदोलन के द्वारा राजनीतिक दलों और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की गई है। आंदोलन के परिणामस्वरूप राजनीतिक दल एक विशेष माँग को मानने का वादा करते हैं। सरकार के गठन के बाद उस माँग को मान लिया जाता है। इस उदाहरण में यह दिखाया है कि आंदोलन के द्वारा सरकार से अपने पक्ष में निर्णय लिया जा सकता है। लेकिन उसे मूर्तरूप देने के लिए राजनीतिक दल के समर्थन की जरूरत पड़ती है।

www.notesdrive.com

www.notesdrive.com